

## अन्नपूर्णास्तोत्रम्

नित्यानन्दकरी वराभयकरी सौन्दर्यरत्नाकरी  
निर्धूताखिलघोरपावनकरी प्रत्यक्षमाहेश्वरी ।  
प्रालेयाचलवंशपावनकरी काशीपुराधीश्वरी  
भिक्षां देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ १ ॥

नानारत्नविचित्रभूषणकरी हेमाम्बराडम्बरी  
मुक्ताहारविलम्बमान विलसत् वक्षोजकुम्भान्तरी ।  
काश्मीरागरुवासिता रुचिकरी काशीपुराधीश्वरी  
भिक्षां देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ २ ॥

योगानन्दकरी रिपुक्षयकरी धर्मार्थनिष्ठाकरी  
चन्द्रार्कानलभासमानलहरी त्रैलोक्यरक्षाकरी ।  
सर्वेश्वर्यसमस्तवाञ्छितकरी काशीपुराधीश्वरी  
भिक्षां देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ ३ ॥

कैलासाचलकन्दरालयकरी गौरी उमा शङ्करे  
कौमारी निगमार्थगोचरकरी ओङ्कारबीजाक्षरी ।  
मोक्षद्वारकपाटपाटनकरी काशीपुराधीश्वरी  
भिक्षां देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ ४ ॥

दृश्यादृश्य प्रभुतिवाहनकरी ब्रह्माण्डभाण्डोदरी  
लीलानाटकसूत्रभेदनकरी विज्ञानदीपाङ्कुरी ।  
श्रीविश्वेशमनः प्रसादनकरी काशीपुराधीश्वरी  
भिक्षां देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ ५ ॥

उर्वी सर्वजनेश्वरी भगवती माताऽन्नपूर्णेश्वरी  
वेणीनीलसमानकुन्तलधरी नित्यान्नदानेश्वरी ।  
सर्वानन्दकरी सदाशुभकरी काशीपुराधीश्वरी  
भिक्षां देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ ६ ॥

आदिक्शान्तसमस्तवर्णनकरी शम्भोस्त्रिभावाकरी  
काश्मीरा त्रिजलेश्वरी त्रिलहरी नित्याङ्कुरा शर्वरी ।  
कामाकाङ्क्षकरी जनोदयकरी काशीपुराधीश्वरी  
भिक्षां देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ ७ ॥

देवी सर्वविचित्ररत्नरचिता दाक्षायणी सुन्दरी  
वामे स्वादुपयोधरा प्रियकरी सौभाग्य माहेश्वरी ।  
भक्ताभीष्टकरी सदाशुभकरी काशीपुराधीश्वरी  
भिक्षां देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ ८ ॥

चन्द्रार्कानलकोटिकोटिसदृशा चन्द्रांशुबिम्बाधरी  
चन्द्रार्कप्रिसमानकुण्डलधरी चन्द्रार्कवर्णेश्वरी ।

मालापुस्तकपाशसाङ्गुशधरी काशीपुराधीश्वरी  
भिक्षां देहि कृपावलम्बनकरी माताऽन्नपूर्णेश्वरी ॥ ९ ॥

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/5882/title/annapurnastotram>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |